



षोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

तारांकित प्रश्न

खण्ड-3

बुधवार, तिथि 12 फाल्गुन, 1937 (श०)
02 मार्च, 2016 (ई०)

प्रश्नों की कुल संख्या 147

(1) ग्रामीण कार्य विभाग	-	-	72
(2) पथ निर्माण विभाग	-	-	28
(3) ग्रामीण विकास विभाग	-	-	03
(4) जल संसाधन विभाग	-	-	28
(5) लघु जल संसाधन विभाग	-	-	11
(6) भूमि संसाधन विभाग	-	-	03
(7) भवन निर्माण विभाग	-	-	01
(8) पंचायती राज विभाग	-	-	01
कुल योग —			<u>147</u>

*251. श्रीमती संगी सिंघ—ज्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला के धमराहा अनुमण्डल में आई०टी०आई० नहीं रहने के कारण कौशल विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार धमराहा में आई०टी०आई० खोलने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुलिया का निर्माण

*252. श्रीमती भागीरथी देवी—ज्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि प० चम्पारण जिलान्तर्गत गौनाहा प्रखण्ड के छाम टिकुल टोला में पंडई नदी से निकलने वाली पर पुलिया का निर्माण नहीं किया गया है, जिससे उक्त प्रखण्ड के लोगों को बीस मिनट, नवकटिवाण्ड एवं अनुमण्डल कार्यालय, नरकटियागंज पहुँचने में 15 कि०मी० की अधिक दूरी तय करना पड़ती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त गाँव पर पुलिया का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

हुनेव का जीर्णोद्धार

*253. श्री दिनेश चन्द्र यादव—ज्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सदरसा जिलान्तर्गत पूर्वी कोशी उदयध के सटे-सटे पूर्वी भाग में सीपंग एवं नहों के अतिरिक्त धारी के कारण लाखों एकड़ जमीन में जासबभाव रहने से किसान खेती नहीं कर पाते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त क्षेत्र से जल निकासी के लिये तीन दशक पूर्व हुनेव का निर्माण किया गया था, जो अब मिट्टी से भर गया है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उन्नत स्वैकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हुनेव का जीर्णोद्धार कर जल निकासी कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

आवागमन सुनिश्चित करना

*254. श्री राममवानु प्रसद यादव—ज्या सत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के चकिया प्रखण्ड अंतर्गत एन०एच० 24 पीपल चौक से भेरखियाँ तक की 12 कि०मी० सड़क काफी जर्जर एवं खाली टोला का पुल अतिप्रस्त है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त अतिप्रस्त सड़क एवं पुल को ठीक कराकर आवागमन सुनिश्चित करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

श्रीमान का क्रियान्वयन

*255. श्री राजेश सरावगी--स्वामीय हिन्दो दैलिक समाचार-पत्र में दिनांक 11 दिसम्बर, 2013 को प्रकाशित समाचार "ग्राम कचहरियों को नहीं मिले चौकीदार" शीर्षक को ध्यान में रखते हुये क्या सर्वे पंचायतों पर विधान, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि विहार में ग्राम कचहरियों को कार्य प्रभाव बढ़ाने के लिये इन्हें चौकीदारों को सम्मिलित करने की व्यवस्था की प्रोपणा सरकार द्वारा 13 दिसम्बर, 2013 को की गयी थी ;

(2) क्या यह बात सही है कि विहार में अक्टूबर ग्राम कचहरियों से चौकीदारों को सम्मिलित नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्विकाराएक है, तो क्या सरकार खंड-1 में वर्णित प्रोपणा के क्रियान्वयन का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की समस्या

*256. श्री जगदीश साँधी--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि बाँके जिलान्तर्गत बसरपुर विधान-सभा के दुधरामा सोड़ से टाड़ी पंच चौब धर्म पूर्व एन०सी०सी०सी० द्वारा बनाया गया था, जो टूट कर जर्जर हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क की समस्या को ध्यान में विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*257. श्री लालू साधु--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि उत्तरका जिलान्तर्गत पतरफट प्रखण्ड को किसगपुर पंचायत के साथ सभा चौक से लगभग सड़ टोपल होते हुये पन्ना हटा से उत्तर जाने वाली सड़क विगत चौबे वर्षों से जर्जर हो जाने के कारण ग्रामीणों को बरसात के दिनों में आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क का पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्लूइस गेट का निर्माण

*258. श्री सीताराम सादव--क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिलान्तर्गत बास्टोपट्टी प्रखंड के मेहतरफट्टी गाँव में बलराज्य नदी पर बनाया सोड़न के निकट स्लूइस गेट नहीं बनने के कारण वहाँ किसानों को सिंचाई में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर स्लूइस गेट का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क पूर्ण करना

*259. श्री रामचंद्र साहू— क्या मंत्री, प्रादेशिक कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला अर्थात् पनासपुर प्रखंड में उपलब्धता प्राप्त सड़क योजना के तहत वर्ष 2012-13 में I. 026 रोडिंगा में सुगन्धी (बीआर-11) जाए-427) 2.00 कि०मी० सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होने में कुछ वर्ष पूर्व संविधान द्वारा पारित यह धरा देने के कारण उद्यम जगन्ना को आधागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क के अधूरे कार्य को पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*260. श्री राजेश कुमार— क्या मंत्री, पशु विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बीरगंज जिला के कुटुम्बा, सानुगंज गेट के पौराणिक नाम में बने नदी पर पारको बाँध के पास पुल नहीं होने से नाहनगा के जगदीश चन्द्रा, मंगेश, हरिप्रसाद, जगदीशपुर, कुटुम्बा, अरमा, मंडा, भरतपुरादि, इस प्रखंड द्वारा बरना, रामपुर, धनबाई, चंपना और बीरगंज विधान सभा के 20 एवं 24वें संविधान के अन्तर्गत प्रखंड के लोगों का परभाव के दिनों में अत्यन्त पूर्णतः अधिक हो जाता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*261. श्री नीरज साहू— क्या मंत्री, पशु विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि बिजनौर जिला के टाकुराज प्रखंडांतर्गत बंगाल सीमा सुराती स्थान में टाकुराज एक सड़क का अधिग्रहण एवं निर्माण विभाग द्वारा कर लिया गया है;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ पर बाँध नदी पर पुल निर्माण हेतु विभाग द्वारा को०पी० जा० से वर्ष पूर्व ही समर्पित किया गया है, किन्तु आकाश पुल निर्माण की दिशा में कोई प्रगति नहीं है;
- (3) यदि उपरोक्त स्थलों के उपर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त नदी पर पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक नहीं, तो क्यों ?

नलकूप की मरम्मत

*262. श्री रामेश कुमार महासेठ— क्या मंत्री, तपु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि मधुपरी जिलान्तर्गत चंडील प्रखंड के श्रीसतपानी पूर्वी पंचायत के इलाहाबाद सार्वजनिक नलकूप बंद है जिसका मोटर खराब है तथा उक्त पंचायत के विद्युत सुभेदा नलकूप भी खराब है, जिससे किसानों को कठिनाई का सामना करना पड़ता है;
- (2) यदि उपरोक्त स्थल का ठीक ठीक स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार श्रीसतपानी पूर्वी पंचायत के इलाहाबाद सार्वजनिक नलकूप एवं विद्युत सुभेदा नलकूप की मरम्मत करवाते हुए उन्हें चालू करना चाहती है, हाँ तो कब तक नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*260. श्रीमती लक्ष्मी सिंह— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बताते की कृपा करेंगे कि क्या यह पुल नहीं है कि पूर्णियाँ जिला के को० नगर प्रखंड में कोटीघाट पर पुल निर्माण नहीं होने से आवागमन को अबाधमान में असुविधा हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कोटीघाट पर पुल निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का जीर्णोद्धार

*261. श्री मुजबिद अख्तर— क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि किसानगंज जिला के अमरापल प्रखंड के मसल चौक से परबट्टा पथ निर्माण विभाग की मददपूर्ण सड़क है, जो किसानगंज जिला मुख्यालय को पूर्णियाँ जिला सीमा से जोड़ती है;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त पथ के संकीर्ण (कम चौड़ा) होने के कारण दुर्घटनाएँ होती रहती हैं;
- (3) यदि तामुला सड़क को उत्तर सर्वोत्पादक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क का जीर्णोद्धार करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

*262. श्री रामेश्वर प्रसाद मिश्र— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के अमरापल प्रखंड अंतर्गत पैदा ग्राम पंचायत में सरनातो के निकट बुलियाहल्लो घाटी पर पुल नहीं होने से लोगों को कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार यहाँ पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सम्पर्क पथ बनाना

*263. श्री रामेश्वर प्रसाद मिश्र— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के अमरापल प्रखंड अंतर्गत जंगलघाटन ग्राम पंचायत के बधना से ओम्हा के बीच जाल-सो-सो पुल बना हुआ है, किन्तु सम्पर्क पथ के अभाव में आम जनता को आवागमन में असुविधा हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार सम्पर्क पथ बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*267. श्री सुरेश कुमार शर्मा— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुक्तसरपुर जिला के मुण्डारी प्रखण्ड अन्तर्गत पतारी पंचायत में राष्ट्रीय राज्पथ 102 तथा राई से भागमरपुर जाने वाली पथ की स्थिति अत्यन्त खराब है जिससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी होती है;

(2) यदि उपरोक्त खराब का उपाय सर्वोत्तमोत्तम है, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

वितरणी का उड़ाही एवं पक्कीकरण

*268. श्री बसिष्ठ सिंह— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिलान्तर्गत रसुलपुर वितरणी एवं करगार वितरणी का दोनों लट खोला गया है एवं मिट्टी से भर गया है जिससे इस वितरणी का अधिकोश खराब पथों हो जाता है और अंतिम छोर के कूपों को पानी नहीं मिलने से पठन नहीं हो पाता है; यदि हाँ, तो क्या सरकार रसुलपुर वितरणी एवं करगार वितरणी का उड़ाही एवं पक्कीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का जीर्णोद्धार

*269. श्री हरिनारायण सिंह— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गान्धी जिलान्तर्गत ग्रामीण कार्य प्रमंडल, हरदोह के गारनोमा प्रखण्ड अन्तर्गत गारनोमा कल्याण विग्रहा स्टेज निर्माण पथ के प्रसहीता से ग्राम बसवा तक जिसकी लम्बाई लगभग तीन (3) कि०मी० है का निर्माण मुख्य मंत्री सम्पर्क सड़क योजना से विगत पाँच (5) वर्ष पूर्व हुआ है, जो खराब हो गया है, जिससे आमलोगों को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का जीर्णोद्धार करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*270. श्री अमर कुमार सिन्हा— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गया जिला के टिकारी प्रखण्ड में रूपसरपुर पंचायत अन्तर्गत धार नदी पर रूपसरपुर भोजन पुल का निर्माण पुल निर्माण निगम द्वारा हो चुका है, परन्तु भोजन गैर से पुल तक सड़क नहीं बनने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार भोजन गैर से पुल तक पक्की सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का अधिग्रहण कर पुनर्निर्माण करना

*271. श्री नरसिंह कुमार शर्मा क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि परभस जिलान्तर्गत सरदर प्रखण्ड के मुंरिया से सांनको, तैनापाट मस्जिद से राधोपुर साइडरो चौक तक की सड़क अग्रजमंडी ग्राम सड़क बोर्डिंग के अस्तित्व विहित है तथा उक्त सड़क विगत 1 वर्षों से बंद है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़कों का पथ निर्माण विभाग में अधिग्रहण कर पुनर्निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*272. श्रीमती गुलजार देवी क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सफुयरी जिलान्तर्गत सधपुर प्रखण्ड के कोशी एवं कचहूजा गाँव को बीम भूतही नदी पर पुल नहीं रहने से कचहूजा एवं विशालपुर गाँव के निवासियों को काशी गाँव पर जाने जाने में बाधा का सहारा लेना पड़ता है, जिसमें बर्सेरा सारत को आसका धनी रहती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का पुनर्निर्माण

*273. श्री कौतलनाथ सिंह क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मारवा जिले के मईरा अनुमण्डल को सीधे जिला मुख्यालय से जोड़नेवाली छपट-मईरा मूल्य पथ बंद है, जिस कारण ग्रामवासियों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का पुनर्निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का अनुरक्षण करना

*274. श्री अखतरुल इस्लाम शाहीन क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत समस्तीपुर प्रखण्ड के जाजोपुर जेल चौक से भाया रानखण्ड होते हुये पहेपुर, चक्र अब्दुलमनी की ओर जाने वाली ग्रामीण सड़क बंद रहने के कारण ग्रामवासियों को आवागमन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क निर्माण मर में अनुरक्षण की शक्ति रहते हुये संवेदक द्वारा अनुरक्षण कार्य नहीं कराया जा रहा है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त ग्रामीण सड़क का अनुरक्षण कार्य कराना चाहती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*275. श्री (श्री.) आशुतोष आलम - क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पुर्णियाँ विधानसभा क्षेत्र प्रखण्ड के खीली पंचायत के कुसहा चौके के पुरख पसर कर्मों के ईदगाह पर पुल नहीं है, जिससे आम लोगों को जाने-जान में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार ईदगाह पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*276. श्री शशील आनन्द झा - क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार विधानसभा क्षेत्र प्रखण्ड के खीसर पंचायत के रोशनगंज में मण्डौड़ जने खाली सड़क में (घाट नं- 11), ग्राम निवासे में अरिफ इमाम के घर के पास बाँध के पश्चिम तथा महादलील रोला मण्डौड़ जने हुए नदीम तटान तक सड़क में पुल नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*277. श्री राम सुप्रकाश मिश्र - क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि रोधानगंज किला के प्रखण्ड टधुआ के राम पंचायत राजपुरी रावधान के पास बरौ सवधान में वर्ष 2007-08 में मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना में पुल का निर्माण किया गया है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुल के दोनों ओर सम्पर्क पथ नहीं बनने के कारण जनसामान्य बाधित है;

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर सवीकृतियक है, तो क्या सरकार उक्त सम्पर्क पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबम्क, नहीं, तो क्यों ?

पथ का अधिग्रहण

*278. श्री अमित कुमार - क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी विधानसभा क्षेत्र प्रखण्ड के बरहा बाजार में रामपुर पथ, महा पुल में धूमखाली रोला पथ एवं मुण्डी प्रखण्ड के मधुपुर में कोविधर ग्राम जैसे हुए विधानपुर पथ, ग्रामीण कार्य विभाग का पथ है, जिसमें राशि की कमी के कारण साथ ही गहनतौ कार्य नहीं हो पाता है, जिससे ग्रामीणों को जनसामान्य में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथों को पथ निर्माण विभाग में अधिग्रहण करके हुए सम्मती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सम्बन्ध पथ प्रयोग

*279. श्री सुनील कुमार - क्या सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि भारतीय विमानतंत्रों द्वारा प्रवर्द्ध की जण्डाह गाँव से एनओएच 31 तक सम्बन्ध पथ का निर्माण नहीं हुआ है, जिससे आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित स्थान पर सम्बन्ध पथ बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*280. श्री विजय कुमार चौहान - क्या सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अरुणा किलानगर तिकटी प्रवर्द्ध की पहरिया बाट पर बन रहा पुल तिकटी प्रवर्द्ध की कुर्नोबांग गाँव का जोड़ती है, जिसके 8 स्मैल में से 6 स्मैल का डेलाई कार्य वर्ष 2013 में हो चुका है, लेकिन 2 स्मैल का उदाह का कार्य शेष है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण कार्य पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*281. श्री परिशद सिंह - क्या सचिव, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रोहतास जिला उपलगा करगार प्रवर्द्ध में पीओआर- 28/62 सागराम चौथा पथ लिफ्टिन्वी से भण्डालपुर 26.04 कि०मी० एवं पीओआर- 28/73 कोन्वर चट्टी (उन्डूआ पीओएचएचपीओ) पथ से समस्त एक 6.02 कि०मी० पथों का निर्माण कार्य अधूरा कर बंद कर दिया गया है जिससे ग्रामीणों की आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथों का निर्माण कार्य पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जाला का पुनर्स्थापन

*282. श्री (नाम) नमकुल्लाह - क्या सचिव, जाल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गांधारगंज किलानगर सारथ मुख्य नहर के बिन्दवरी सरैया नरेंद्र से निकलकर एक विस्तारो बेलसण्ट तथा जाती है, जिससे अतिम निर एक पानी का बहाव नहीं होता है, जिससे पारण संरक्षक मिन्धाई नालों का अन्वयन मुद्राण है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त किलरण एवं इसमें संयुक्त मिन्धाई नालों का पुनर्स्थापन कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

* 283. श्री वीरेंद्र कुमार सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि औरंगाबाद जिला-स्तरीय पत्तीनगर प्रखंड के डोल-ठंगो रोड से रोमो पथ की स्वीकृति वर्ष 2012-13 में पी०एम०जी०एस०वाई० में हुई है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है, जिससे ग्राम जनता को अवागमन में कठिनाई होती है ;

(3) यदि उपर्युक्त सड़कों के उल्लेखनीयतात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पट्टन का जीर्णोद्धार

* 284. श्रीमती कुन्ती देवी—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गण्डा जिला-स्तरीय अतरी प्रखंड में कुपकों की सिंचाई हेतु "नैलीटाल से नैली कर्षीपुर 9 नं० नाली से नैली, हुसैन विगाहा होते हुये सरोवड़ा तक जाने वाली पट्टन" बहुत ही उपयोगी है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पट्टन को सफाई नहीं होने से अतरी एवं नीमचक बधानी प्रखंड को हजारों एकड़ जमीन अमिषिा है ;

(3) यदि उपर्युक्त सड़कों के उल्लेखनीयतात्मक हैं, तो क्या सरकार कुपकों के सिंचाई सुविधा सुईया कराने हेतु उक्त पट्टन का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

फलाई ओवर का निर्माण

* 285. श्री तारकेश्वर प्रसाद—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के कटिहार नगर निगम क्षेत्र में अत्यधिक यातायात का भार होने के कारण शहर में जाम को स्थिति बनी रहती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कटिहार-प्राणपुर-रोशना हाट, एम०डी० आर० पथ के शहरी भाग, डा० राजेन्द्र प्रसाद पथ, (चुड़ी पट्टी से दुर्गा स्थान चौक तक) पर जाम से मुक्ति हेतु फलाई ओवर निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कैनल को मरम्मत

* 286. डा० रुकिंद यादव—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिला के बरहट प्रखंड में कैरवार (कुकुरदाप) जलसंचय योजना के अंतर्गत बने कैनल कई जगह टूट जाने से किसानों की हजारों एकड़ जमीन का पट्टन नहीं हो रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त कैनल को मरम्मत कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्टुईस गेट का निर्माण

* 287. श्री सल्लदेव सिंह—क्या मंत्री, जल वित्त संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अखिल जिला अंतर्गत कुर्वा प्रखंड को ग्राम तटीय में समरा टांडी परत पर स्टुईस गेट नहीं है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गावा (परत) पर स्टुईस गेट नहीं होने से किसानों एकद जमीन अनिचिंत रह जाती है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों को उच्च स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त गावा (परत) पर स्टुईस गेट का निर्माण करना चाहती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पुल बनाना

* 288. श्री रामलाल साहव—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिल्लागत पटना सदर प्रखण्ड एवं फतुहा प्रखण्ड के ग्राम निर्वापुर एवं भगवानपुर में पुनपुन नदी पर पुल निर्माण हेतु पी०एम०सी०एम०आई० योजनागत एन०पी०सी०सी० डि० द्वारा दिनांक 16 अगस्त, 2010 को 4 करोड़ 55 हजार रुपए का विविधा प्रयोजित हुआ परन्तु अकस्मत्त रमि कम रहने के कारण संवेदक ने काम नहीं किया, जिससे पुनपुन नदी पर पुल नहीं बन सका, यदि हाँ, तो क्या सरकार वर्तमान समय को अनुसूच्य प्रकल्पन बनाकर पुनपुन नदी पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राम का जीर्णोद्धार

* 289. श्री कृष्ण कुमार शर्मा—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सुनिर्मा जिल्लागत रामखंडी प्रखण्ड के एन०एम० 107 द्वारा वारचौक से सहाज जाने वाली राम विधा 5 वर्षों से अर्ध होने के कारण आम जनता को अनाश्रम में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त राम का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सोराह का विद्यमानकरण करना

* 290. श्री संजय सराहणी—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 2007 में ही बिहार को रात नदियों को आपस में जोड़ने का निर्णय को कालांक में सफरी-नादा, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, अशवाप, बटुआ और गंगा नदी को उक्त योजना में शामिल किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि इन रात नदियों को जोड़ने का पी०एम०आई० भी पिछले 2 वर्ष से विभाग में बनकर तैयार है, किन्तु अर्धतक उक्त योजना को क्रियान्वयन हेतु कोई कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों को उच्च स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खण्ड (1) में वर्तित योजना का क्रियान्वयन करवा चाहती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

कटाव विभाग

*291. श्री रामानुज प्रसाद—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सराय जिला-नर्मदा-सोनपुर प्रखंड के सबलापुर विभाग के पूर्वी पंचायत के बहारम गाँव एवं पहिलमो पंचायत के पहिलमो टोला में एक नदी के कटाव से प्रभावित है जिसमें किसानों की हजारों एकड़ में लगे फसल तथा घर-बार नष्ट हो रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार स्थानीय पर कटाव-रोकथाम करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*292. श्री जोराहराव सिंह—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सराय जिला के शहादपुर-गारख-भारा-साहादपुर-कोय मुख्य पथ जवैर है जिसमें अम जमना को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पक्की सड़क बनाना

*293. श्री (मोह) लाल आलाम—क्या मंत्री, निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला के आरा शहर में नदों से जलवाह के कारण प्रतिदिन जाम की समस्या बनो रहती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आरा शहर के उदरी छोर पर शहर से लोकर बनव्या भूजने एक नदी नदी पर बाँध बना हुआ है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर नवीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त बाँध की चौड़ाकरण करके दुपे पक्की सड़क लगाकर आरा शहर को जाम की समस्या से मुक्त करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*294. श्रीमती गायत्री देवी—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोनभद्र जिला के पहिलार प्रखंड अंगरत बहुआरा पंचायत में दुबे टोला महादलितों को बनती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि आरगत दुबे टोला को सड़क से जोड़ लेना सच है ;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर नवीकारात्मक है, तो क्या सरकार दुबे टोला महादलित वरगों को सड़क से जोड़ने के लिये पक्की सड़क का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*295. श्रीमती सुनीता सिंह जोषान—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतावड़ी जिला-नर्मदा-भेलमड प्रखंड के परदापुर में गमनो देवी के घर से निरवन जी के घर तक पीरसी-मो० सड़क का डी०पी०आर० तथा तकनीकी एवं प्रशासनिक अनुमोदन

वित्तिय वर्ष 2011-12 में किया गया था, लेकिन अनावक सड़क का निर्माण नहीं कराया गया है, यदि हाँ, तो उक्त सड़क का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं होने का क्या औचित्य है ?

स्टेट ट्यूबवेल का निर्माण

*296. श्रीमती कुन्वी देवी--क्या मंत्री, सधु जल संसाधन विभाग, यह बातलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि गया जिलान्तर्गत अलती प्रखंड मोहदा प्रखंड एवं नीमसक बधली प्रखंड पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहाँ होने के कारण यहाँ के किसानों को वर्षा पर ही सिंचाई हेतु निर्भर रहना पड़ता है ?

(2) क्या यह बात सही है कि पश्चिम वर्षा के अभाव में इस क्षेत्र के किसानों का फसल प्रत्येक वर्ष मरा जाता है ?

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सिंचाई हेतु खाड़ी क्षेत्र सिंचन, मई, संकरपुर, कंगालपुर आदि जगहों पर स्टेट ट्यूबवेल लगाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का सुदृढीकरण

*297. श्री सार्विकशोर प्रसाद--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बातलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि ग्रामीण कार्य प्रमंडल, कटिहार में मुख्यमंत्री ग्राम्य सड़क योजना अन्तर्गत कटिहार प्रखंड के बटैली-खैरा ग्रामीण पथ में वित्तिय वर्ष 2011-12 में 1.2 किलो मीटर पथ का निर्माण कार्य किया गया था ?

(2) क्या यह बात सही है कि अभी तक उक्त पथ में 1.3 किलो मीटर अवशेष (मिसिंगलिंक) पथ का निर्माण कार्य लंबित है ?

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ के अवशेष (मिसिंगलिंक) पथ का सुदृढीकरण एवं कालीकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्या ?

पथ का निर्माण

*298. श्री महबूब आलम--क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बातलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला में धारसोई-बिहार पथ में राजक में महानंदा नदी पर पुल बनकर तैयार है ?

(2) क्या यह बात सही है कि पहुँच पथ के अभाव में यह पुल चालू नहीं हो पा रहा है ?

(3) क्या यह बात सही है कि पहुँच पथ के राते में रहने वाले किसानों की जमीन का मुआयजा देकर अधिग्रहण की प्रक्रिया नहीं हो सका है, जिसके चलते किसानों ने लक्ष में पैसा लगा दिया है ?

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार किसानों की जमीन का मुआयजा देकर अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरा करते हुये पहुँच पथ का निर्माण पूरा करना चाहती है, हाँ, तो, कबतक, नहीं तो क्यों ?

अवसाधन योजना का निरीक्षण

*299 श्रीमती सावित्री देवी— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि क्या यह बात सही है कि उत्तम विधानसभा चक्रवर्ती विधान सभा का अवसाधन योजना का निरीक्षण करने किन्तु तदुक्त नहीं है यदि हाँ, तो क्या सरकार निरीक्षण कार्य प्रारंभ करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

घर का निर्माण

*300 श्री अमित कुमार— क्या मंत्री, गव. निरीक्षण विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सोलामकी विधानसभा चक्रवर्ती विधान सभा में निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है तथा सोलामकी एवं सिवास विभागों को जोड़ने वाले महत्वपूर्ण पथ है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ को तदुक्त विभाग में निर्माण कार्य का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*301 श्री मदन महान सिपाही— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि प्रो. अमरनाथ जिला अन्तर्गत प्रखण्ड मरहोलीया को तदुक्त पथ में कामकाज करना एक अने वाली मुख्य सड़क प्रारंभ है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क का परम्परा कार्य विगत दो दशकों से नहीं किया गया है किन्तु क्या उक्त पथ को अवसाधन में कठिनाई को सामना करना पड़ता है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

बैंगल का निर्माण

*302 श्री दिनेश चन्द्र शर्मा— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को तैयार करेंगे कि क्या यह बात सही है कि तदुक्त विधानसभा मंडीपी प्रखण्ड के सय्या, तेलवा परिवारी, रामोहर एवं चोरेपुर प्रखण्ड का कदा भू अने परिवार को भी तदुक्त एवं कम्पना पत्तन पथ से निर रहने के कारण जल अभाव से खली के साथ नहीं रह गया है, किन्तु क्या किन्तु क्या परिवारों में हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार को भी नहीं में विवेक का पत्तो निकालने हेतु परिवारों तदुक्त के परिवारों किन्तु किन्तु तदुक्त से चोरेपुर उ. किन्तु किन्तु अन्तर्गत अन्तर्गत का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*303 श्री प्रभुसूक्त प्रस्ता— क्या सत्री, पथ निर्माण विभाग, यह पता करने की कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलास्थित गढ़वासे प्रस्ताह के सदृशनी से लोहाडील-सोडू तक पथ काटनी करके ई. सिस्का तथा लखारामन प्रभावित है;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त प्रस्ताह जिला स्थित रेल के पारान्त आगे सिम दुर्गेश्वरनी परतनी रहनी है;
- (3) यदि उपरोक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार पत्रलिख में गढ़वासे से लोहाडील-सोडू तक पथ का पर्यवेक्षण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

औद्योगिक परिवहन संस्थान खानना

*304 श्री विनोद प्रसाद यादव— क्या सत्री, श्रम संसाधन विभाग, यह पता करने की कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि पंच जिला अन्तर्गत सेरावरी अनुसूचित क्षेत्र आबादी करीब 12 लाख है;
- (2) क्या यह बात सही है कि श्रीवासी अनुसूचित क्षेत्र औद्योगिक प्रोत्साहन संस्थान (आई.टी.आई.) नहीं है, किन्तु बाराणसी, मुद्राखरी, सीताई के साथ एवं साथ लखनौकी शिला पत्तल करने में योग्य रह जाते है;
- (3) यदि उपरोक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार अनुसूचित मुख्यधर्म शरणार्थ से लोहाडील-सोडू तक संस्थान खानना का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

आर०मो०यो० पुल का निर्माण

*305 श्री सागरराज आराम— क्या सत्री, पथ निर्माण विभाग, यह पता करने की कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि आराम जिलास्थित जकोटाहट प्रस्ताह में पथ खाता पथ के कि०मो० से सडू घाटीन स्थित है, जो पत्तल पुराना एवं खराब है तथा कई जगह पर ब्रिज में टूटने भी कर गया है;
- (2) क्या यह बात सही है कि राज्य में धने सडू पुराना स्थित के स्मृत पर आर०मो०यो० पुल का निर्माण किन्तु आज का निर्माण स्थित गया है;
- (3) यदि उपरोक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर चाणू निर्माण पथ में आर०मो०यो० पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

मुस्ताफाबाद बाँध का निर्माण

*306 श्री प्रमोद कुमार— क्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह पता करने की कृपा करें कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के मोतिहारी नगर में स्थित चौरभारी एकनाम, आजादपुर, शिवपुरा और मुहल्ले एवं खांड सं० 25, 26, 27, 33, 34 धनीनी पत्तल के कितना क्या हुआ पुराना मुहल्ला है;
- (2) क्या यह बात सही है कि धनीनी नदी के दोनों किनारे सिन्धु विभाग का बाँध चार बराक पूर्व बना हुआ था, किन्तु धरत होने के कारण हल्के खरिद पर भी धनीनी नदी का धने उतल मुहल्लों में प्रवेश कर जाता है;
- (3) यदि उपरोक्त खांडों के उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार खांड (1) में स्थित मुहल्ला का पर्यवेक्षण अनुसूचित धने पत्तल की विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*307. श्री अशोक कुमार सिंह— क्या संत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह जाताने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि कैमूर जिला के मुख्यालय प्रखण्ड अन्तर्गत प्रधानमंत्री सड़क का निर्माण दूमरूवा टोल से परसिया, बखला, टोटरींग सड़क को लम्बाई 10 किलोमीटर है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क में बखला गाँव से टोटरींग गाँव तक 1.5 किलोमीटर सड़क नहीं बना है ;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क बन जाने से एनएनएन 30 परसिया को दूरी 5 किलोमीटर कम हो जायेगी ;

(4) यदि उपरोक्त खर्चों को उतर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क कार्य पूर्ण करना

*308. श्री रामचन्द्र साहू— क्या संत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह जाताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला अन्तर्गत रामगढ़क प्रखण्ड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत रामगढ़क से मुख्यालय तक सड़क जिसकी लम्बाई 5.600 किलोमीटर तथा पैकेज नं० बीआर 039 का निर्माण कार्य एम/एम साल फेब्रुअरी 2010 में शुरू किया गया, परन्तु कार्य प्रारंभ होने के कुछ ही महीने बाद कार्य बंद कर दिया गया है जिससे आवागमन में आम जनता को कठिनाई का सामना करना पड़ता है; यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क को अधूरे कार्य को पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पुनर्निर्माण

*309. श्रीमती गायत्री देवी— क्या संत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह जाताने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि सोनभद्र जिला के भरिहार प्रखण्ड अन्तर्गत धनहा पंचायत के निवासी टोल से धनहा होते हुए रावपुर चौक तक वर्ष 2014-15 में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से सड़क का निर्माण हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि धनहा ग्राम में मोटरों के आटा से 700 मोटर सड़क फट जाने से आवागमन बाधित है ;

(3) यदि उपरोक्त खर्चों को उतर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार धनहा ग्राम में मोटर किलोमिटरों के अभाव में सड़क का पुनर्निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सिंचित सुविधा देना

*310. श्री सर्वोदय प्रसाद सिंह— क्या संत्री, जल संसाधन विभाग, यह जाताने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कल्याणपुर प्रखण्ड के तिरहुत मुक्त नगर के 536.39 आघारवो (एल) से निकलने वाली 70 आघारवो का मोहरी बिलरणी बसिप्रस होने के कारण किसानों को पटवन का लाभ नहीं मिल पा रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार मोहरी बिलरणी नहर को फेरी का आघारवो (एल) कार्य कराकर किसानों को पटवन की सुविधा उपलब्ध करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*311. श्री कुमार सर्वजीत—क्या भंडा, पत्र निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि क्या जिलानगर में फतेहपुर प्रखंड में बाहर नदी के बराबर बाँध के सामने पुल नहीं होने के कारण आम जनता को प्रखंड मुख्यालय में पहुँचने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*312. श्री कुमार सर्वजीत—क्या भंडा, पत्र निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि क्या जिलानगर में फतेहपुर प्रखंड में बाहर बाँध नदी के ग्राम-साँचरक द्वारा के सामने पुल नहीं होने के कारण आम जनता को जिला मुख्यालय पहुँचने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कटाव को रोकना

*313. श्री गीताए आलम—क्या भंडा, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि डॉ० ए/पी/जे० अमृतन कलाम कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान, किसानगंज जिलानगर में महानंद नदी को किनारे अरांधाड़ी में स्थापित किया जा रहा है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त महाविद्यालय को कटाव से बचाने हेतु महानंद नदी में महाविद्यालय कैम्पस से सटे किनारे में कटाव रोधक कार्य किया गया है, परंतु दूसरे किनारे में कटाव रोधक कार्य नहीं होने के कारण महानंद को धार से टाकुरगंज प्रखंड के निचिंतपुर से महारापुर होते हुये संकरद्वारी तक भीषण कटाव हो रहा है ;

(3) यदि उपपुंजा खड्डों के डालर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार निचिंतपुर से संकरद्वारी तक महानंद नदी पर सुदृढ़ कटाव रोधक कार्य कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

बाँध का निर्माण

*314. श्री विलय कुमार सिन्हा—क्या भंडा, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिलानगर में बहूँहिया प्रखंड में दरियापुर से ग्राम-राहवाड़पुर तक बरसात में इरुहर नदी को भीषण कटाव से उक्त जगों जगों को दर्जनों घर प्रभावित हैं जिससे तदी किनारे जसे जग बरसात में अथवा भर छोड़कर जाने के लिये मजबूर होते हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार ग्राम-दरियापुर से राहवाड़पुर तक नदी किनारे सुरक्षा बाँध बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की मरम्मा

*315. श्री रविन्द्र शर्मा—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिला के प्रखण्ड अनामोल कोरापुर-धमना पथ एवं लक्ष्मीपुर-धमना पथ के बचे हुए भाग, जो धमना से शीतक हो रहे हैं जमुई-प्रखण्ड पथ को जोड़ता है, जर्जर हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़कों की मरम्मा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

घाट पर पुल बनना

*316. श्री अच्युत जयसिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिलान्तर्गत राजीव प्रखण्ड के महुआ पंचायत के महुआ ताल में कस्तुरा धार के जोगा घाट पर पुल नहीं बनने से महुआ पुरब, महुआ पश्चिम, बसौली, गुणवती, धोबनिया, काका महुआ एवं कोशिकापुर पंचायत 15,000 आबादी को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त घाट पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

- *317. श्री राम मोहन सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—
- (1) क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिला के फूलवरीया प्रखण्ड के राम-बैरगी जोगा नदी स्थान से सोनगढ़वा जानेवाली पथ में दुलारपुर किराणी नहर में अभीतक पुल का निर्माण नहीं हुआ है ?
 - (2) क्या यह बात सही है कि उक्त स्थान पर पुल का निर्माण नहीं होने से उक्त जनता को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है ?
 - (3) यदि उपर्युक्त स्थानों के उक्त स्थानात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*318. श्री शकील आमत खान—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिलान्तर्गत कदवा प्रखण्ड के उपररिया पंचायत के मिरजापुर से मोहन गाँव के बीच मोजा धार पर उपररिया से बनगमा संखली के बीच संतोला धार पर एवं नरगत से कपोली के बीच मोजा धार पर पुल नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुल का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छिलका का निर्माण

*219. श्री विजय कुमार शिला—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लाहौरियाँ जिलान्तर्गत इलसी प्रखण्ड के चल्तोपुर पंचायत अन्तर्गत सोमे नदी में बृष्टिगर्भी के निकट छिलका का निर्माण नहीं होने से बरसात में जल संचय नहीं हो पाता है जिससे किसानों को फसल की सिंचाई में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो सरकार सोमे नदी में बृष्टिगर्भी के निकट छिलका का निर्माण कब तक बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पक्की सड़क का निर्माण

*220. श्री रमेश साधु—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि महरस जिलान्तर्गत पतरात प्रखण्ड के जमहर पंचायत के भद्री गाँव के पुरा स्थान से सुधासिरी, बहादुरपुर पुल होते हुए भोक्ता, मन्दास नहर तक की सड़क जरूर है, जिससे बरसात के दिनों में ग्रामीणों को अग्ने-जल में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार भद्री गाँव से मन्दास नहर तक पक्की सड़क निर्माण बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*221. श्रीमती गुलजार देवी—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुपनी जिलान्तर्गत मधोपुर प्रखण्ड स्थित मटरस एवं कनकूजा पुनर्वास के बाँधियों को जोसी बाँध पर आने-जाने के लिये 1 कि० मी० कच्ची सड़क है, जिससे यहाँ के निवासियों को बरसात के मौसम में पार से निकलने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त बराकटों को राज्य कोर नेटवर्क में सम्मिलित कर कच्ची सड़क पर पक्कीकरण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पुलिया का निर्माण

*222. श्री विनोद प्रसाद साठव—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि गण जिला अन्तर्गत शेरघाटी प्रखण्ड के शेरघाटी-गण भाग चोरकी पथ में 25वीं कि० मी० में शेरघाटी प्रखण्ड के चित्तार गाँव के पास नदी में पुलिया अस्तित्व है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुलिया के अस्तित्व रहने के कारण उसपर से भारी वाहनों का आवागमन संभव है ;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उभर न्योक्तावक हैं, तो क्या सरकार शेरघाटी-गण भाग चोरकी पथ में स्थित उक्त पुलिया का निर्माण बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

आवास योजना

*323. श्री नारायण प्रसाद—क्या मंत्री, सामाजिक विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि 160 चमारगण विलासलगांत तैलन एवं बेरिया प्रखण्ड के सभी पंचायतों में 500 बी०मी०प्लान परिचाली के लिये वर्ष 1990 में इंदिरा आवास योजना तथा जो जबर हो गया है तथा जल परिष्कार के लिये खुले आसमान को नीचे गुना दूर कर रहे हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जबर इंदिरा आवास के स्थान पर तथा भवन बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का निर्माण

*324. श्री भरतेश्वर प्रसाद चारले—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलालगांत गामगाट प्रखंड में कृत्त 4। संयोजन बनादूर है, उक्त सभी नालदूध विस्तृत होप एवं नाथ के अभाव में बंद है और सिंचाई काम नहीं हो पा रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त बन्द नालदूध को चालू कराने के साथ-साथ नाला का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बराज की उड़ाही

*325. श्री समीर कुमार महामंडल—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पधुवनौ जिलालगांत लखतिया प्रखंड के पिपराही, लालमरिया गली के बीच उत्तान नदी पर स्थित मुजहरा बराज उड़ाही एवं रख-रखाव के अभाव में किसानों के लिये अनुपयोगी हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त बराज की उड़ाही एवं समुचित रख-रखाव की व्यवस्था करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का चौड़ाकरण

*326. श्री सुखीन्द्र प्रसाद सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिला के कल्याणपुर प्रखण्ड मुख्यालय में पूर्वी क्षेत्र से आने वाली एकपाय सड़क बुदावन तथा फूलबेरिया-कल्याणपुर जंक्शन तथा सऊर होने से आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार बुदावन-कल्याणपुर पथ का चौड़ाकरण एवं पुनर्निर्माण कर आवागमन को सुचारु करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की मरम्माती

*327. श्री जनार्दन शर्मा—क्या मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि चौकी जिलानगरी सम्पूर्ण प्रखंड के किरनपुर पंच जो चौध वर्ष पूर्व बना था, जर्जर होकर सड़ने में लगील हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क को मरम्माती कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*328. श्री मेधासाल चौधरी—क्या मंत्री ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि मुंगेर जिला के टेटिया बन्धर प्रखंड अन्तर्गत टेटिया बन्धर भागा मुख्य सड़क से बन्धर बाँधर होते हुए आमजोरवा स्थान मुख्य सड़क तक की सड़क जर्जर है, जिससे ग्रामीणों को सारकर बरसात के दिनों में अने-अने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क को पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*329. श्री अशोक कुमार—क्या मंत्री पंच निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करें—

(1) क्या यह बात सही है कि सगरतीपुर जिला के सिधिया प्रखण्ड अन्तर्गत जपना में सुपरा, सोहरीपुर, बिरौल सोमा तक जानेवाली सड़क के बीच कमला नदी अवस्थित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि कमला नदी पर पुल नहीं रहने से प्रखण्ड, अनुमण्डल एवं जिला मुख्यमन्त्रय जने में अने-अने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपर्युक्त सड़कों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त नदी पर पुल बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कटाव से बचाव

*330. श्री प्रमोद कुमार सिंह—क्या मंत्री जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि पूर्वी बम्हारण जिला के भोतिहारी प्रखंड के सूही गंडक नदी (मिकरहवा) के किनारे पर मधुवनी घाट, गिरी टोला, मलाही टोला, बरवाही, हनुमानगढ़ी कालोनी, शरघटवा, हथजपुर, हनुमानाही, संतपुर, रामदुवा तथा तिपर नदी के किनारे पर बरवा तथा तिलवे नदी के किनारे पर चहुआ, झिटकहिया के अति पिछड़ा, महादलित बस्ती उक्त नदी के कटाव से प्रभावित हो रहे हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार नदी के कटाव से उक्त गाँवों को बचाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जलसंधारण योजना का जौपींदार

*331. श्रीमती सावित्री देवी—क्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि जमुई जिल्लागत चकड़ा विधान सभा क्षेत्र का खुदरा अपर जलसंधारण योजना अतिग्रन्थ एवं गौण शीर्ष हो गया है, जिससे किसान सिंचाई सुविधा से वंचित हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त खुदरा अपर जलसंधारण योजना का जौपींदार करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बाँधों पर कार्रवाई

*332. डॉ० (मो०) जावेद—क्या सत्री, भवन निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि किसानों के जिला के बाँधों पर प्रत्येक मुख्यालय में विमान भवन का नियंत्रण किया जा रहा है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त भवन निर्माण कार्य मानक के अनुरूप नहीं कर लेकल भालू, दो मंच टैंक, कम अनुपात में सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसको जौध कराकर विभाग एवं एजेंसी पर उचित कार्रवाई करते हुये भवन निर्माण कार्य को प्राक्कलन के अनुरूप कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

नलकूप बनाने करना

*333. श्री माधुसूदन आलाम—क्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि क्या यह बात सही है कि बाँधवार नलकूप के कार्रवाई के लक्ष्यगत गौध में सिंचाई हेतु स्थापित सरकारी नलकूप 10 वर्षों से बंद हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सरकारी नलकूप को पक्काशील बनाने के लक्ष्यगत कार्रवाई का प्रबंध कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नाला का निर्माण

*334. श्रीमती सुनीता सिंह चौधान—क्या सत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिला में बागमती बाँध का निर्माण 35 वर्ष पूर्व हुआ था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त बाँध के निर्माण के फलस्वरूप बेलसगढ़ प्रखण्ड के दुमरा, नवीस गौध के 500 विस्थापित परिवारों को दरियापुर में पुनर्वासित किया गया था, किन्तु दरियापुर पुनर्वास से दुमरा बागमती तक नाला नहीं होने से वर्षा ऋतु में उक्त गौध पानी से जलमग्न हो जाता है;

(3) यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दरियापुर पुनर्वास से दुमरा बागमती तक नाला का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*335. श्री रमेश खडिले— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिला अन्तर्गत शंकरपुर प्रखण्ड के नालपुर से मोरमा चौक होते हुये शंकरपुर-जालपातो सड़क का कार्य वर्ष 2010 में शुरू हुआ जिसे जून, 2015 में समाप्त कर लेता था, लेकिन अभी तक कार्य पूरा नहीं किया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार अभी तक कार्य पूरा नहीं करने वाले संवेदक पर कार्यवाई करते हुये सड़क का निर्माण पूर्ण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सम्पर्क पथ से जोड़ना

*336. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है कि भटनाग जिलान्तर्गत चाड़ प्रखण्ड के ग्राम भगवती भुवारी टोल में बिहार राज्य पुल विभाग, जिसका द्वारा योगा नती पर एक वर्ष पूर्व पुल का निर्माण कराया गया था;
- (2) क्या यह बात सही है कि उक्त पुल के दोनों छोर को सम्पर्क पथ से नहीं जोड़ा गया है, जिससे उक्त छोर को जमाा उक्त पुल के उपयोग से बौधत है;
- (3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पुल के दोनों छोर को सम्पर्क पथ से जोड़ने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पी०सी०टी० करना

*337. श्री विनोद कुमार सिंह— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के आजमगढ़ प्रखण्ड अन्तर्गत अशिमना चाड़ नं० 7 में झोज पावट मिल्डी के घर से सुधाप विस्तार के घर तक सड़क जर्जर है, जिसके कारण 5 हजार ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जर्जर सड़क को पी०सी०टी० करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*338. श्री प्रभुनाथ प्रसाद— क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

- (1) क्या यह बात सही है भोजपुर जिलान्तर्गत जगिषाँव प्रखण्ड के नारायणपुर से गोनडर पथ विगत पाँच वर्षों से जर्जर है;
- (2) क्या यह बात सही है कि चपौत के दिनों में ठक सड़क पर धानी लगा जाता है, जिससे ग्रामीणों को जाने जाने में काफी कठिनाई होती है;
- (3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार नारायणपुर से गोनडर पथ का निर्माण करके आवागमन बहाल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

राष्ट्रीय पट्टाय योजना

* 339. श्री सुशील भूषण शर्मा—क्या सही, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि कटिहार जिला के फलका प्रखंड से एस०एच० 77 गुजराती है, जिससे इससे राष्ट्रीय प्रतिदिन आवागमन करते हैं ;

(2) क्या यह बात सही है कि फलका में रात्री पट्टाय नहीं होने के कारण प्रतिदिन रात्रिपथ को कारसे भेरावती होती है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार एस०एच० 77 पर फलका में रात्री पट्टाय बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 340. श्री विजय कुमार खोसला—क्या सही, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्णियाँ जिला में पूर्णियाँ-कदवा-खोसौली-आजमगंज-अकलपुर पथ में दो उच्चस्तरिय पुलों का निर्माण सिविल बैंक को सक्षि से ली गयी योजना से पाँच वर्ष पूर्व करने का प्रस्ताव था, किन्तु अभीतक निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थान पर पुलों का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बीमा का लाभ दिलवाना

* 341. श्री नारायण प्रसाद—क्या सही, अन्न संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि बी०पी०एल० जाकितियों का कार्ड बनाने का काम अन्न संसाधन विभाग द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा बीमा योजना के तहत युनाइटेड इंडिया इशोरंस कम्पनी, पटना को फरवरी, 2013 में दिया गया है ;

(2) क्या यह बात सही है कि बी०पी०एल० जिलान्तर्गत मौतन एवं बीरिया प्रखण्ड के 70 प्रतिशत बी०पी०एल० परिवारों का कार्ड नहीं बनाया गया है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कार्ड से वंचित बी०पी०एल० परिवारों का कार्ड बनवाकर बीमा का लाभ दिलाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

श्रीक स्मॉट चिन्हित करना

* 342. श्री मिथिलेश तिवारी—क्या सही, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के सड़कों पर श्रीक स्मॉट चिन्हित नहीं होने एवं वहाँ पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं रहने के कारण सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएँ होती हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार आमतौरों की सुरक्षा के लिये सड़कों पर श्रीक स्मॉट को चिन्हित कर सड़क दुर्घटना में कमी करने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्काकरण

* 343. श्री (मौ०) जाफर अलाम—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पूर्वोक्त जिलाअन्तर्गत कस्बा प्रखण्ड के लखना संघात के दुभरो पक्की सड़क से शमीर के घर होते हुये दुपैली पक्की सड़क तक की सड़क कच्ची है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क का पक्काकरण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

स्लूइस गेट का निर्माण

* 344. श्री सत्यदेव मिश्रा—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि अखिल जिला अंतर्गत चरनी प्रखण्ड के राम-विन्दापुर और लोहार विण्डा के बीच बहती यह (जला) के मुँह पर स्लूइस गेट का निर्माण नहीं हुआ है ;

(2) क्या यह बात सही है कि स्लूइस गेट नहीं रहने से धरमल का पानी जमा नहीं हो पाता है और सेकड़ों एकड़ जमीन अस्तिचित रह जाती है ;

(3) यदि उपर्युक्त खाँदों की ठरर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार बहकी यह (जला) के मुँह पर स्लूइस गेट का निर्माण करना चाहती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

* 345. श्री सुरेश कुमार शर्मा—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला के मुसाहरी प्रखण्ड अन्तर्गत पताही पंचायत के लहलापुर गाँव की सड़क का निर्माण लगभग 20 वर्ष पूर्व हुआ था, जो अत्यंत जर्जर है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

* 346. श्री राजेश चंदन—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि रामा जिला के मुल्खा प्रखण्ड अन्तर्गत शेरघाटी-चेरकी रोड पर सगाही से इटहरी तक कच्ची सड़क रहने के कारण बरसात में आमलोंगी को आधागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कटाव रोकना

*147. श्री०(गो०) ज्ञानेंद्र—क्या मंत्री, जल-संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि विशालमंज विद्या के पश्चिमी प्रखंड अंतर्गत कल्या कलियाधर्म पंच के पीछे हाट, कल्या कलियाधर्म मन्डिक, कचहरी बरखी मैदानवादी पटान बरखी का कटाव महानंदा नदी से हो रहा है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित बरिस्तामों के तत्वीक कटाव रोधक कार्य करवाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का जीर्णोद्धार

*148. श्री महेश्वर प्रसाद साधु—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत बड़गाँव चौक से बनर प्रखंड मुख्यालय होते सखीस चौक तक जानेवाली पक्की सड़क जर्जर है, जबकि बनर प्रखंड मुख्यालय को जिला मुख्यालय में जोड़ने वाली एक खरी भुख्त सड़क है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित सड़क का जीर्णोद्धार एवं जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नलकूपों को चालू करना

*149. श्री ललिता कुमारी साहू—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दार्भंग जिलान्तर्गत भनीगढी प्रखंड के राधेपुर डरती पंचायत, बहोडा, धनौर, सोनकी, जगदीशपुर, एवं माडवेहट पंचायत के सभी नलकूप विद्युत् शोष एवं यांत्रिक शोष के कारण विगत ४ वर्षों से बन्द है जिससे किसानों का फलन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित सभी नलकूपों को शोष चालू कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क को मरम्माती

*150. श्री ज्ञानेंद्र कुमार सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिलान्तर्गत बाढ़ प्रखंड के राधेरी सरमेरा अर०सी०डी० पथ में राधे राधा चौक से ग्राम मयपुर होते हुये खाला रोडपुत तक ग्रामीण सड़क का निर्माण दस वर्ष पूर्व हुआ था, जो जर्जर हो गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित सड़क को मरम्माती एवं कांतीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

जल-जमाव को गिकारी

*151. श्री राशिधरण हजारी—क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दरभंगा जिला अंतर्गत कुरेश्वरस्थान प्रखंड के विराहरीया पंचायत के मोहीम, बलांत,

विस्तारिया, बनरसुल्ता, सरांच घाट आदि गाँव में किसानों को 5000 एकड़ उपजाऊ जमीन पर वर्षों से बाल-बसाव बना हुआ है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त जल-कमाल को खत्म करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*352. श्री मन्ड कुमार राय—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत सोतीपुर प्रखंड के हरगाही से कमालपुर विधरील, खनातीमहापंद से गौसाईपुर, चैनपुर से चकवा, टीकडा से अससारी बजरीया एवं धगाही से भरसपुर भुसडरी तक सड़क का निर्माण कार्य विधीय वर्ष 2007-08 में जे०एस०आर० कम्पनी, चेन्नाई को दिया गया था :

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़कों का ड्रैट सौलिंग पूर्व से ही था, जिसे जे०एस०आर० कम्पनी द्वारा उखाड़ लिया गया, जिससे पारंग सड़क को भिगले रूपमें ही गयी है, किंतु कम्पनी द्वारा सड़क निर्माण कार्य अभीतक शुरू नहीं किया गया है :

(3) यदि उपर्युक्त सड़कों के उभर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त सड़कों का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करनेवाले कम्पनी पर कार्रवाई करते हुए सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कबसेक, त्यों, तो क्यों ?

— ३५३ —

— ३५४ —

पुल निर्माण

*353. श्री सोमद अनु दीवाना—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सोनमडी जिला के पुरी प्रखंड के हरदिवा पंचायत अंतर्गत ग्राम-रामपुर पन्वामी में अंधासादा नदी पर पुल एवं भोला बानीपुर पंचायत के तौरा घट्टी घाट पर पुल नहीं रहने के कारण किसानों को उनके काने में कालाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त स्थलों पर पुल निर्माण सोचने की विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

के.एम.सहाय, मुजफ्फरपुर जिला, सोनमडी

— ३५३ —

सड़क का निर्माण

*354. श्री मन्ड कुमार राय—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिलान्तर्गत सोतीपुर प्रखंड के मोरसण्डी पंचायत के पुन०पंच०पी०सी० सड़क मोरसण्डी से अदलापुर तक विगत 10 वर्षों से जबर होने के कारण आमलोगों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

— ३५४ —

माईर का निर्माण

*355. श्री गिरिधारी यादव—क्या मंत्री, सधु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत प्रखण्ड चोपन में जलधारा माईर का निर्माण नहीं होने में खेत अधीक्षित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त माईर का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*356. श्री चन्दन कुमार—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि खण्डवा जिलान्तर्गत अतीली प्रखण्ड के सुम्हा भागी घाट से मोतिहार तक पथ विगत 10 वर्षों से जर्जर है :

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क का पक्कीकरण करने हेतु दिसंबर में माईर पूर्व हुआ था, लेकिन कार्य अभी प्रारंभ नहीं हुआ है :

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

रोपों पर कार्रवाई

*357. श्री विरोन्द्र कुमार—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि नालवा किला के भिन्द एवं अम्भारौ प्रखण्ड के धूप पीपल को पास सोनवा एवं गिरवाँ नदी के संगम पर पुल मूल्यमती सधु योजना के अंतर्गत वर्ष 2015 में पूर्ण कराया गया है, जो प्राकृतिक के नुकसान नहीं होने के कारण पुल की स्थिति दयनीय हो गयी है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त वर्णित निर्मित पुल की उच्चस्तरीय जाँच कराने हेतु संबंधित परामर्शकारियों एवं संवेक्षण पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*358. श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ रिन्कु सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि 90 चम्पारण जिलान्तर्गत मनुआ पुल से राबवा जानेवाले पथ विगत 20 वर्षों से जर्जर है :

(2) क्या यह बात सही है कि सरकार द्वारा वर्ष 2012 में उक्त सड़क का निर्माण कराने की घोषणा की गयी थी, लेकिन अभी तक सड़क का निर्माण नहीं किया गया है :

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

बौध एवँ छिटाका का निर्माण

*359. श्री रामनारायण मण्डल—क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिले के बाराहाट प्रखंड के कमलपुर ग्राम में वर्ष 1995 में आई बाढ़ के कारण कमलपुर बौध एवँ छिटाका पूर्णरूपेण खस्त हो गया था, जिससे इस क्षेत्र के किसानों को 1,000 एकड़ जमीन अतिरिक्त रह जाता है और कृषि आज नहीं हो रहा है, यदि हाँ, तो सरकार कमलपुर बौध एवँ छिटाका का निर्माण करने का कब तक विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ की समस्याएँ

*360. श्री गेपालराय—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोपालगंज जिले के माझा प्रखंड के शाहपुर (गोपालगंज) बहदुरीया रोड से निकल कर माझा प्रखंड तक जानेवाली सड़क खराब है, जिससे आम जनता का आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ की समस्याएँ को हल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

*361. श्री अशोक कुमार—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिला अन्तर्गत शिवाजीनगर प्रखण्ड में हाथघाट, कटौती सड़क के दाहिने भाग में करेह नदी पर शंकरपुर घाट अवस्थित है, उक्त घाट के दोनों तरफ के लोगों को प्रखण्ड, अनुमण्डल एवं जिला मुख्यालय जाने में पुल नहीं रहने के कारण नदी पार करना पड़ता है इसके अलावा आवागमन को अन्य कोई सुविधा नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार शंकरपुर से डिवाही के बीच पुल का निर्माण करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*362. श्री भद्रन मोहन शिवाजी—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पञ्च चम्पारण जिला अन्तर्गत प्रखंड मधुसिन्धु में टंगा धार सड़की पंचघाट को जोड़ने वाली धमवन्ती नदी पर पुल का निर्माण वर्ष 2011 में मुख्यमंत्री सेतु योजना से करवा गया था :

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सेतु के पहुँच पथ का कार्य अबतक नहीं कराया गया है, जिसके कारण स्थानीय लोगों एवं वाहनों के आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है :

(3) यदि उपर्युक्त खण्डों को उतर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त पुल पर पहुँच पथ का निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 362. श्री रमेश कविंद्रेय : क्या मंत्री, प्रादेशिक कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधेपुरा जिलासहित कुपार ग्रंथ प्रखंड के सूखर नदी के कोहवाग घाट पर पुल नहीं है, जिससे कुपार ग्रंथ की आम जनता को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कोहवाग घाट पर पुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

खेतार पौधों काटना

* 363. श्री रामकुमार प्रसाद : क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि (1) क्या यह बात सही है कि साधु जिलासहित अंतपुर प्रखंड के शिकारपुर बाजार के समीप मगरफाल झील की तीर्थ में पुरुष शिकारपुर, कल्याणपुर, शिकारपुर छपन, रौरापुर, अकिन्तपुर एवं सेमरा बंधक नदी के कटाव से प्रभावित है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त इलाके में हर साल कटाव के कारण आम-प्राण की क्षति होती है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों में उच्च स्वीकृतलक्ष्य है, तो क्या सरकार उक्त गाँवों को कटाव से बचाने हेतु खेतार पौधों काटना का विचार रखती है, नहीं, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पुल का निर्माण

* 365 श्री सीतल आनंदोबाला : क्या मंत्री, प्रादेशिक कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सोनमढ़ी जिला के सुखंड प्रखंड के जाड़ापारी पंचायत के रामनगर के पास सोनौर नदी पर पुल नहीं बनने के कारण छात्र छात्राओं को चपरी के सहारे नदी पार कर पढ़ने जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार छात्र-छात्राओं की कठिनाईयों को देखते हुए उक्त स्थान पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

* 366. श्री विनोद कुमार सिंह : क्या मंत्री, प्रादेशिक कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि जयदेहार जिला के प्राणपुर प्रखंड अंतर्गत एन-एच-81 मधुवा चौक से डरफड़ा गाँव तक सड़क तारत है, जिसमें 10 हजार की आयतनी को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो सरकार उक्त सड़क का पक्कीकरण कब तक करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुनः का निर्माण

*167. श्री विद्या सागर कंसरी— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिला के कारबिसराज प्रखंड के महावाजपुर पंचायत के परमाण नदी के बराहपुर गाँव का पुनः नहीं है जिससे आम जनता को अश्वत्थन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार बराहपुर गाँव पर पुनः का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

शकन का निर्माण

*168. श्री राम राम प्रसाद जटल— क्या मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—
 (1) क्या यह बात सही है कि पूर्वी चम्पारण जिलान्तर्गत पेटसी प्रखंड कार्यालय का अथवा शकन नहीं है;
 (2) क्या यह बात सही है कि प्रखंड कार्यालय का अथवा शकन नहीं होने से वहाँ कार्यरत गांधिकारियों, कार्यरत एवं आम जनता को काम में काफी परेशानी होती है,
 (3) यदि उपरोक्त स्थलों के उत्तर सवीकारप्रभक हैं, तो क्या सरकार उक्त प्रखंड कार्यालय का शकन निर्माण कराने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक; नहीं, तो क्यों ?

बोपर का जीर्णोद्धार

*169. श्री गिरिधारी पायल— क्या मंत्री, ग्राम संरक्षण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि बाँका जिलान्तर्गत रबीन प्रजाखा नहर एवं कानो मोह बोपर जर्जर रहने के कारण खेती की कठिनाई बाधित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों नहर एवं कानो मोह बोपर का जीर्णोद्धार कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क की समस्या

*170. श्री मेखलाल चौधरी— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि धुंगेर जिला के टेटिया बम्बर प्रखंड अन्तर्गत टेटिया-बनगाहा भोड़ से डाई पोखर होते हुए धौरी तक की सड़क जर्जर है, जिससे ग्रामीणों को बरसात के दिनों में आने-जाने में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क की समस्या को हल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*371. श्री जुबैदुल्लाह खान— क्या मंत्री, प्राथमिक कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि कौमूर जिलान्तर्गत अंधीरा प्रखंड के अमरसही गाँव के नजदीक मुख्य नदी में पुल नहीं होने के कारण 14 गाँवों के लोगों को 20 कि०मी० की अधिक दूरी तयकर प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उस नदी पर पुल निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

कौमूर का जौरीदादा

*372. श्री सौताराम यादव— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि मधुबनी जिला के कमला द्वीबीजन, जलनगर स्थित पूर्वी कौमूर खिण्ड 8 वर्षों से जाकर रहने के कारण किसानों का मिचलाई में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उस कौमूर का जौरीदादा कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सदक का जौरीदादा

*373. श्री अखतारुल इस्लाम शाहीन— क्या मंत्री, प्राथमिक कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि समस्तीपुर जिलान्तर्गत समस्तीपुर प्रखंड के बेला चौक से भाषा पुनाम होते हुए समीरगंज जाने वाली जलोपयोगी प्राथमिक सदक जल्द ही खुला है जिससे आमजन को आने-जाने में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार जल सदक का जौरीदादा कराना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

बोध का पुनर्निर्माण

*374. श्री रंजु गौतम— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि सोनमही जिलान्तर्गत बाजपट्टी प्रखंड के चंचायत, रमलपुर के रमलपुर ग्राम में पुरी-रमलपुर मुख्य पथ से महा नदी के किनारे बंगाल राम के पूर होते हुए रमलपुर सुरसहा मुख्य सदक क्षेत्र में अंतर जलोपयोगी बोध से मिलती है;

(2) क्या यह बात सही है कि 1954-55 में गाँवों की सुरक्षा की दृष्टि से निर्मित किया गया यह जलोपयोगी बोध सुरक्षित हो चुका है तथा प्रतिक्रम आने वाली महा नदी के प्रतिक्रमकारी बहाव से जान-मान को रक्षा नहीं हो पाती है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार तत्पक्ष जलोपयोगी बोध का पुनर्निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

*375. श्री. अशोक कुमारेय — क्या मंत्री, राष्ट्रीय कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि अरविग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत, सोहरी के ग्राम सोहरी में दुवारवाडी नदी का लकड़ी का पुल अतिव्यय है, जिसके चारों धरौटी, मुण्डादी, धौरी, प्रखिया, भंथनिया, मझुवा, धौंसरा, मिर्जापुर, मदनपुर, मधरी आदि पंचायत के 30 हजार से अधिक का आबादी को अग्रगण्य में कटिनाई होती है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नदी पर पुल के निर्माण से उक्त पंचायतों की दूरी जिला मुख्यालय अरविग से 20 कि.मी. कम हो जायेगा;

(3) यदि उपरोक्त खर्चों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सोहरी पर में पुल निर्माण करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

जागरूक प्रमाण पर निर्णय करना

*376. श्री. संतोष खोसिया — क्या मंत्री, राष्ट्रीय विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि

(1) क्या यह बात सही है कि पटना जिला के प्रोब गाँव 1, राजीव नगर, जयप्रकाश नगर, कोमरी नगर, बाट मं-6, उषाली नगर, चन्द्र विहार कोरली, गाँव सं-2 को निवासियों का स्थायी आवास प्रमाण-पत्र के निर्माण पर रोक है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त क्षेत्र के निवासियों को निर्माण के अन्य संबंधित क्रियाकलाप में बाधा के साधनों हैं;

(3) यदि उपरोक्त खर्चों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र के निवासियों को स्थायी आवास प्रमाण-पत्र निर्माण करने हेतु कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

बोल्डर पीछिन करना

*377. श्री. भाई खोसिया — क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिला के मनेर विधान-सभा क्षेत्रमेंसे किला चौहरा पूर्वी स्थित ग्राम-खिखर एवं महावीर दोला तथा मण्डाण विहार का ग्राम-रतन-दोला गंगा नदी के कटाव के कारण नदी के गर्भ में समाते जा रही है, जिसके कारण ग्रामीण पलायन कर रहे हैं, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त गाँवों को बचाव हेतु गंगा नदी का किनारे बोल्डर पीछिन कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पुनः एवं सड़क का निर्माण

*378. श्री. अनूप कुमार — क्या मंत्री, राष्ट्रीय कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि गोरखा जिला के सई प्रखंड के अन्वयित सई-विद्युत घर से टकपुरा के बीच पंचायत नदी पर पुल तथा टकपुरा एवं हनुमिषी पर पंचायत नदी के उदबध होने हुए पन-रथ-31 तक सड़क निर्माण नहीं हुआ है, जिससे जाहान एवं आम जनता का अग्रगण्य में कटिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पुल एवं सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

बौध्द का निर्माण

* 379. श्री प्रहलाद भाव— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि क्या यह बात सही है कि कच्छीकरण जिला के कच्छ जिले के बगल में उमरानन्दपुर एवं नैदपुर पंचायत के अन्तर्गत, रावपुर गाँव बसा हुआ है, जिसे बाद के समय कच्छ जिले के क्षेत्र पानी के अभाव में कच्छ का खतरा रहता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कच्छ जिले के क्षेत्र को बचाने के लिये सुरक्षा बौध्द निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

नहर की सफाई

* 380. श्री सुश्री सुश्री रामराव— क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि क्या यह बात सही है कि कच्छीकरण जिला के कच्छ जिले के बगल में, दुमर तथा कुसीरा तक सिंचाई हेतु बनायी गयी नहर के विभागीय सफाई विभाग 15 वर्षों से नहीं सफाई है, जिसके कारण इसकी अंतिम जोर अब खत्म हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार नहर को सफाई कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

समस्या पत्र का निर्माण

* 381. श्री मिथिलेश्वर शिखरी— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला के वैकुण्ठपुर प्रखण्ड के अन्तर्गत उन्नाविठ नया विद्यालय, प्योरु और उन्नाविठ नया विद्यालय, गेणुवा (कालापुर पंचायत) में छात्रों तथा शिक्षकों को विद्यालय आने-जाने हेतु सम्बन्ध स्थापित नहीं है, जिसके कारण छात्र-छात्राओं को कठिनायियों का सामना करना पड़ता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त दोनों विद्यालयों में सम्बन्ध पुनः निर्माण कराना चाहती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

पूल का निर्माण

* 382. श्री विद्यालक्ष्मी जसरी— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि क्या यह बात सही है कि अररिया जिले के कच्छीकरण प्रखण्ड के सुभासपुर पंचायत के कौआवाड़ नहर के परामर्श पत्र का पूरा नहीं है, यदि हाँ, तो क्या सरकार कौआवाड़ पट्ट पर पूरा निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

* 383. श्री राजेश्वर नन्द— क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि क्या यह बात सही है कि गया जिला के सुभास प्रखण्ड अन्तर्गत अणुसोहर नहर दो मुहाने से मुहाने नहर होने हेतु निर्माण, सोमान एक कच्ची पथ है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सर्विस लेन का निर्माण कराना

* 384. श्री अक्षय कुमार शिखा— क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृप्य करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पटना नगर के भीरुपुर में जोर गाईल एक न्यू बार्डिंग के रोड और भीम फोर्ट चौकी सर्विस लेन बनाने का निर्माण ? एवं पूर्ण निर्माण कार्य ?

(2) क्या यह बात सही है कि न्यू बार्डिंग के दक्षिण तरफ सर्विस लेन बनाना गत है, परन्तु उक्त कार्य इसको तुरन्त ही नहीं होये है, जिसके कारण न्यू बार्डिंग पर ट्रैफिक लोग कम नहीं हुआ है ?

(3) यदि उपरोक्त बार्डिंग के उक्त उपरोक्त कार्य है, तो क्या सरकार न्यू बार्डिंग के उक्त कार्य सर्विस लेन का निर्माण कार्य प्रारंभ करने का विचार रखती है, हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क बनाना

* 315. श्री विजय कुमार खेमका—ज्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि पथ निर्माण विभाग के पूर्णवर्षीय एन०एच० 107 से एन०एच० 31 को कार्यवाही द्वारा जोड़ने की योजना 2013-14 में प्रस्तावित है ;

(2) क्या यह बात सही है कि इस योजना को पूरा नहीं होने से पूर्णवर्षीय के काम लोगों को असुविधा में तद्विवादों का सामना करना पड़ता है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उक्त स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार एन०एच० 107 से एन०एच० 31 को कार्यवाही द्वारा कम्बलक जोड़ने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पूल का निर्माण

* 316. श्री (मिसे) जयलाल आहिर—ज्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिला के अग्र शहर अन्तर्गत ग्राम-जबौर, ग्राम-पिरदिगी एवं इमरपुर के बीच में कुपारी नदी बहती है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त नदी के पास नदी में पूल नहीं रहने के कारण आवागमन में कठिनाई हो रही है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों में उक्त स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार कुपारी नदी पर पूल निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

* 317. श्री अजय कुमार मिश्रा—ज्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने को कृपया करें कि क्या यह बात सही है कि पटना नगर के सैदपुर से गाम घाट तक सैदपुर नगर की विन्हाट-विन्हाट सड़क बनाने का निर्माण 3 वर्ष पूर्व हुआ था, किन्तु उक्त सड़क का 45 प्रतिशत काम कर दो वर्षों से कार्य बंद कर दिया गया है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क का निर्माण कार्य पूरा करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

छिलका का निर्माण

* 318. श्री हरिनाथप्रसाद मिश्रा—ज्या मंत्री, तटु नदी संवर्धन विभाग, यह बतलाने को कृपया करें कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिल्लागत तटु सिंचाई कार्य प्रमोदल, निवारणरोग के अंतर्गत नालन्दा प्रखंड के ग्राम धंदापल और के ग्राम-महमदपुर के प्रोवाई नदी में छिलका (बीयर) का निर्माण सिंचन धंधे धर्म पूर्व किया गया था ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त छिलका (बीयर) की जैबाई आवश्यकता से काम रहने के कारण कुछ सोम्य भूमि भी सिंचाई नहीं हो पा रही है ;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उक्त स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त छिलका की जैबाई बढ़ाने का विचार रखती है, हाँ, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

सड़क बनाने

*309. श्री राम नारायण मंडला—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भणालपुर-टैंडडीहा पुल सड़क मार्ग चौका जिला की सीमा से मतवाड़ तक सड़क में तय्यार हो गया है, जिससे आम जनता को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है ;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क बिहार और झारखंड को जोड़ने वाली मुख्य सड़क है ;

(3) यदि उपरोक्त सड़क को उन्नत स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क को बनाने का विचार रखती है, हाँ, तो पक्काबंद, नहीं, तो क्यों ?

आवागमन बढ़ाने करने

*300. श्री दिनकर राम—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलामधील मधुवाहा विधान-सभा क्षेत्र के ठरौ मेंसे से सुपुनर होकर पहिलर जले वाली रोड में असुवाहा जमी पर पुल नहीं बनने से ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई होने है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त नदी पर पुल निर्माण कर आवागमन बहाल करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*391. श्री प्रहलाद यादव—क्या मंत्री, पथ निर्माण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि लखीसराय जिला के एच०एच० 80 के निकट खाया गाँव से किरणपुर, सीरी बजार होने हुए अमरपुर स्टेशन तक ग्रामीण सड़क से ट्वारों जैसा ब्रिजिंग अमरपुर रेलवे स्टेशन गाँवो पकड़ने वाले है, परंतु सड़क की स्थिति खबर है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त सड़क को पथ निर्माण विभाग में अधिष्ठाित कर उसका निर्माण करने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ का निर्माण

*392. श्री अशोक कुमार सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि अरौंधावा जिलामधील नवीसरा प्रखंड के जौल-तौंग रोड से वैरिया पथ की पी०एस०एच०वार्ड में वर्ष 2012-13 में ही निर्माण की स्वीकृति की बावजूद निर्माण कार्य अभीतक प्रारंभ नहीं किया गया है, जिससे आम जनता को आवागमन में कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उक्त पथ का निर्माण बनाने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

दोषी पर कार्रवाई

*393. श्री राम विशुभ सिंह—क्या मंत्री, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिलामधील एच०एच० 30 से चार छाम तक सड़क का निर्माण प्रथममंती आम सड़क योजना की अंतर्गत तैत उपे पूर्ण हुआ था ;

(2) क्या यह बात सही है कि योजना के अरुप उक्त सड़क का निर्माण नहीं किया गया जिसके कारण सड़क सिमा एच० वर्ष पूर्व से खबर हो गया है ;

(3) यदि उपरोक्त सड़क को उन्नत स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त सड़क के निर्माण कार्य की साथ बरबाद दोषी मनेरक, अधिष्ठातों पर कार्रवाई करणे का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

गुल का निर्माण

*344. श्री सुब्बाविड अल्लु—क्या भैया, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि किल्लानगर जिलाभरगत किल्लानगर प्रखण्ड के बेलगा पंचायत में चौलाभाड़ी रेलिंग के पास चौलाभाड़ी-खोकिारी-तासुका मार्ग के समान तरी पर गुल नहीं रखने के कारण ग्रामीणों को आवागमन में कठिनी कठिनाई हो रही है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित स्थाप पर गुल का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का निर्माण

*345. श्री निरंजन राम—क्या भैया, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि केमूर जिलानगरगत मोहगिवा प्रखण्ड के बेलगा में पुरेमी डोले हुपे कुरा-पय्यपुली तक यह कारीर गुल में सफरी चौपर तक जलपानी जल संसाधन विभाग की सड़क बनने जाने के कारण आवागमन बाधित है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित जर्नेर सड़क का निर्माण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

सड़क का पक्कीकरण

*346. श्री दिनकर राम—क्या भैया, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि सीतामढी जिलानगरगत अधराहा विभाग-रुद्र क्षेत्र के दिग्धी में विनपुर जलपानी सड़क कारीर जल है, जिसके कारण आम लोगों को आवागमन में कठिनाई होती है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित सड़क का पक्कीकरण कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पथ की मरम्मत

*347. श्री राममर्दे जदल—क्या भैया, ग्रामीण कार्य विभाग, यह बतलाने को कृप्य करेंगे कि क्या यह बात सही है कि पटना जिलानगरगत फतुवा प्रखण्ड में सीदपुर-उफसा भाग चण्डासी पथ का निर्माण 6 वर्ष पूर्व किया गया था, किन्तु अभी पथ की स्थिति जर्जर है, जिससे वहाँ के ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है तथा बरसात के दिनों में आवागमन बन्द हो जाता है, यदि हाँ, तो क्या सरकार उचित पथ की मरम्मत कराने का विचार रखती है, नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 2 मार्च, 2010 (ई०)

राजीव कुमार,
ग्रामी सचिव,
विहार विभाग-लघा।